श्री विष्णु स्तुतिः (विप्र कृतं)

श्री विष्णु स्तुतिः (विप्र कृतं)

नमस्ते देवदेवेश नमस्ते भक्तवत्सल |
नमस्ते करुणाराशे नमस्ते नंदविक्रम || 1 ||

गोविंदाय सुरेशाय अच्युतायाऽव्ययाय च |
कृष्णाय वासुदेवाय सर्वाध्यक्षाय साक्षिणे || 2 ||

लोकस्थाय हृदिस्थाय अक्षरायाऽऽत्मने नमः |
अनंतायादिबीजाय आद्यायाऽखिलरूपिणे || 3 ||

यज्ञाय यज्ञपतये माधवाय मुरारये |
जलस्थाय स्थलस्थाय सर्वगायाऽमलात्मने || 4 ||

सच्चिद्रूपाय सौम्याय नमः सर्वाघनाशिने |
नमः कालाय कलये कामितार्थप्रदाय च || 5 ||

नमो दांताय शांताय विष्णवे जिष्णवे नमः |
विश्वेशाय विशालाय वेधसे विश्ववासिने || 6 ||

सुराध्यक्षाय सिद्धाय श्रीधराय नमो नमः |
हृषीकेशाय धैर्याय नमस्ते मोक्षदायिने || 7 ||

पुरुषोत्तमाय पुण्याय पद्मनाभाय भास्वते |
आग्रेसराय तूलाय आग्रेसरायात्मने नमः || 8 ||

जनार्दनाय जैत्राय जितामित्राय जीविने |
वेदवेद्याय विश्वाय नारसिंहाय ते नमः || 9 ||

ज्ञानाय ज्ञानरूपाय ज्ञानदायाखिलात्मने |
धुरंधराय धुर्याय धराधारायते नमः || 10 ||

नारायणाय शर्वाय राक्षसानीकवैरिणे |
गुह्याय गुह्यपतये गुरवे गुणधारिणे || 11 ||

कारुण्याय शरण्याय कांतायाऽमृतमूर्तये |
केशवाय नमस्तेऽस्तु नमो दामोदराय च || 12 ||

संकर्षणाय शर्वाय नमस्त्रैलोक्यपालिने |
भक्तप्रियाय हरये नमः सर्वार्तिनाशिने || 13 ||

नानाभेदविभेदाय नानारूपधराय च |
नमस्ते भगवान् विष्णो पाहि मां करुणाकर || 14 ||

इति श्री विष्णु स्तुतिः |